5. लिंग

लिंग का शाब्दिक अर्थ होता है– स्त्री–पुरुष सूचक चिह्न। सभी प्राणी या अप्राणीवाचक वस्तुओं का भी लिंग निश्चित होता है। हिंदी भाषा में लिंग का निर्धारण शब्द के अर्थ और रूप के आधार पर किया जाता है।

शिक्षण–संकेत

❖ छात्रों से लिंग की परिभाषा पूछें।

❖ छात्र लिंग शब्दों से भली–भाँति परिचित हो चुके हैं। अतः पृष्ठ 32 पर दिए वाक्यों में से स्त्री तथा पुरुष जाति के शब्द बताने को कहें।

❖ लिंग के भेद भी बताने को कहें। पुल्लिग–स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान करना बताएँ।

❖ पुल्लिग और स्त्रीलिंग शब्दों की पहचान कैसे की जाती है समझाएँ। पाठ पृष्ठ 33 पर दिए शब्दों को पढ़वाएँ और एक–एक करके प्रत्येक नियम समझाएँ।

❖ समझाएँ, अप्राणीवाचक शब्दों का लिंग निर्धारण वाक्य प्रयोग द्वारा किया जाता है। वाक्य की क्रिया द्वारा निर्जीव वस्तुओं का लिंग पता चलता है।

❖ पृष्ठ 34–35 पर दिए लिंग परिवर्तन संबंधी नियम पढ़ें और समझाएँ।

❖ सुनिश्चित करें कि प्रत्येक छात्र पाठ समझ रहे हैं।

❖ लिंग परिवर्तन संबंधी नियमों से परिचित करवाते हुए पृष्ठ 35 के वाक्य पढ़वाएँ और समझाएँ।

❖ अभ्यास करवाने में यथोचित सहायता करें।